

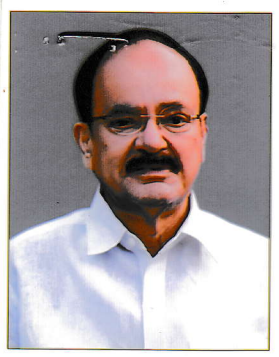


सत्यमेव जयते

उप-राष्ट्रपति, भारत

VICE-PRESIDENT OF INDIA

संदेश



मुझे यह जानकर हर्ष हुआ कि प्रशुल्क आयोग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अथक प्रयासों से योग विज्ञान पर हिंदी पत्रिका "दिवा" का प्रकाशन किया गया है।

निस्संदेह योग और इससे होने वाले लाभों के बारे में सम्पूर्ण विश्व को अवगत कराने के उद्देश्य से हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रतिवर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप मनाने के लिए उद्घोषणा करवाई है।

भारतीय जीवन-पद्धति में योग एक प्राचीन परंपरा रही है। योग के माध्यम से शरीर, मन और आत्मा के मध्य संतुलन स्थापित किया जा सकता है। यह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का एक स्वाभाविक नियम है। योग को अपनी दिनचर्या का अंग बना लेने से हम स्वयं को स्वस्थ महसूस करते हैं। नियमित योग करने से हम न सिर्फ बीमारियों से बचे रह सकते हैं, बल्कि स्वयं के अंदर एक नयी ऊर्जा का संचार भी कर सकते हैं। शरीर को सही आकार में लाने के लिए यह अत्यंत सुरक्षित, कारगर और आसान प्रणाली है।

मैं, प्रशुल्क आयोग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार को अपनी शुभकामनाएँ और शुभांशाएँ प्रेषित करता हूँ और योग विज्ञान पर आधारित इस हिंदी पत्रिका "दिवा" की सफलता की कामना करता हूँ।

नई दिल्ली
04 मई, 2018

Secretary (TS)

अपराजिता
04/05/2018

वेकैया नायडु
(एम. वेकैया नायडु)